ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान में युवाओं को प्रशिक्षण

टिशू कल्चर में बेहतर कॅरियर की सम्भावना

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआइ) में बुधवार को युवाओं के लिए शुरू हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर चंद्रमौलि शुक्ला ने कहा कि टिशू कल्चर टेक्निक में कॅरियर की बेहतर सम्भावनाएं हैं। फारेस्ट्री में बेहतर कार्य किए जा सकते हैं। पूरी दुनिया में हरियाली बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। अच्छी किस्म के पौधों से ही गुणवत्ता युक्त पेड़ तैयार होंगे।

संस्थान के डायरेक्टर डॉ. जी राजेश्वर राव ने कहा कि फारेस्ट्री के क्षेत्र में कॅरियर बनाने वाले युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

डॉ. फामिता शिरिन ने प्लांट टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी एवं उसके प्रयोगों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने अकाष्ठ वन उत्पादन एवं औषधीय पौधे, वन एंटमोलॉजी एवं कीट नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, लघु बॉटनिकल गार्डन प्रबंधन, बांस उत्पादन वं प्रबंधन के बारे में बताया। कार्यशाला में डॉ. पीबी मेश्राम, दीपांकर अग्रवाल, डॉ. आरके वर्मा, डॉ. अविनाश जैन, डॉ. अरुण कुमार एवं डॉ. प्रमोद कुमार सहित आदि लोग मौजूद थे।

Tue, 18 December 2018
epaper.patrika.com/c/34976259

टीएफआरआइ में प्रशिक्षण कल

जबलपुर @पत्रिका. ऊष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 19 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होगा। डायरेक्टर डॉ. जी. राजेश्वर राव ने बताया कि युवाओं को पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन पर तकनीकी जानकारियां दी जाएंगी। पहले दिन प्लांट टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी एवं उसके प्रयोगों पर आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। जबकि, विभिन्न तिथियों में अकाष्ठ वन एवं औषधीय पौधे, वन एंटेमोलॉजी एवं कीट नियंत्रण, लघु बॉटनिकल गार्डन, बांस उत्पादन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

TFRI to hold six training programmes for unemployed youth

■ The first training scheduled to start from December 19

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur to organise the six training programmes at the Institute to impart green skills to unemployed youth and open prospects for opportunities of self-employment.

These trainings will be organised under Skill India Development Programme sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), New Delhi, Government of India with the objective to train youth in the sector of environment, forestry and climate change. The first training on 'Plant tissue culture techniques and its applications' is scheduled to start from December 19, 2018. The techniques of Plant Tissue Culture, which is used to propagate economically important plant species on a large scale as well as to conserve and multiply endangered plants will be decapitated for public use in the training. This will facilitate mass scale quality production of different types of plants, medicinal plants, bamboos, tree species, cash crops and ornamental plants. Shri Chandramauli Shukla, IAS, Commissioner, Jabalpur Municipal Corporationhas consented to grace the inaugural function of the training with his presence at 10 am on 19th December 2018.The training is fully sponsored for the registered participants at the Institute campus including free lodging and boarding. The completely sponsored trainings to be conducted at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur would be Plant Tissue Culture Techniques and its Applications starting from December 19, 2018, NTFP Products, Medicinal Plants from January 8, 2019, Forest Entomology and Pest Control in the third week of January 2019, Waste Management in the third week of January 2019, Management of Small Botanical Gardens to be held in second week of February 2019 and the last training of this schedule on Propagation and Management of Bamboo would be organised at TFRI in the second week of February 2019.

औषधीय पौधों, बाँस, कैश फसलों और सजावटी पौधों के उत्पादन के लिए मिलेगी ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

प्लांट टिशू कल्चर का उपयोग बड़े पैमाने पर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों की प्रजातियों के उत्पादन के साथ-साथ लुप्तप्राय पौधों को बचाने के लिए होता है। विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों, बाँस, पेड़ की प्रजातियों, कैश फसलों और सजावटी पौधों के उत्पादन के लिए युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कौशल भारत विकास कार्यक्रम के तहत उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित होने जा रहे 6 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की, जिनके अंतर्गत पर्यावरण,वानिकी और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत 'प्लांटटिशू कल्चर टेक्नोलॉजीज और उसके अनुप्रयोगों ' पर पहला प्रशिक्षण 19 दिसंबर से शुरू होगा, जिसका उद्घाटन नगर आयुक्त चंद्रमौलि शुक्ला सुबह 10 बजे करेंगे। पी-5